

HD-05

December - Examination 2016

B.A. Pt. III Examination

आधुनिक काव्य

Paper - HD-05

Time : 3 Hours]

[Max. Marks :- 100

निर्देश : यह प्रश्न पत्र तीन खंडों अ, ब, स में विभक्त है। 'अ' खंड अतिलघूत्तरात्मक है, खंड 'ब' लघूत्तरात्मक और खंड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

(खण्ड - अ)

10 × 2 = 20

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

- 1) (i) आधुनिकता से क्या अभिप्राय है?
- (ii) आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने आधुनिककाल का प्रारंभ कब से माना है?
- (iii) मुक्तिबोध द्वारा रचित किसी एक कविता का नाम लिखिए।
- (iv) 'राम की शक्ति पूजा' कविता के रचनाकार कौन हैं?
- (v) जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित किसी एक लम्बी कविता का नाम लिखिए।
- (vi) 'कुआनो नदी' कविता के रचनाकार कौन हैं?

- (vii) पंत द्वारा रचित किसी एक लम्बी कविता का नाम लिखिए।
 (viii) "प्रवाद-पर्व" कविता किस विषय पर आधारित है?
 (ix) हरिवंशराय बच्चन द्वारा रचित लंबी कविता का नाम लिखिए।
 (x) "सरोज स्मृति" कविता के शिल्प को संक्षेप में बताइए।

(खण्ड - ब)

4 × 10 = 40

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

- 2) लम्बी कविता खंडकाव्य के स्वरूप पर संक्षेप में विचार कीजिए।
- 3) 'परिवर्तन' कविता के भावपक्ष की विशेषताएँ लिखिए।
- 4) ब्रह्मराक्षस कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
- 5) 'दो चट्टानें' कविता के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।
- 6) 'कुआनो नदी' कविता के प्रति पाद्य को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।
- 7) 'प्रवाद पर्व' जनतांत्रिक मूल्यों की स्थापना का प्रयास है। इस कथन के आलोक में प्रस्तुत काव्य के भाव पक्ष पर प्रकाश डालिए।
- 8) सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

मुझ भाग्यहीन की तू सम्बल
 युग वर्ष बाद जब हुई विकल
 दुःख ही जीवन की कथा रही
 क्या कहूँ आज जा नहीं कही
 हो इसी कर्म पर वज्रपात
 यदि धर्म, रहे नत सदा माथ

इस पथ पर, मेरे कार्य सफल
 हो भ्रष्ट शीत के से शतदल !
 कन्ये ! गत कर्मों का अर्पण
 कर, करता मैं तेरा तर्पण

9) सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

इतिहास
 खड़ग से नहीं
 मानवीय उदात्तता से लिखा जाना चाहिए।
 क्या होगा
 इतिहास को इतना दास बनाकर कि
 वह राजभित्तियों पर चित्रित तथा
 शिलालेखों पर उत्कीर्णित
 हमारी चारण-गाथा लगे,
 और जीवंतता के अभाव में
 उन चित्रों, शिलालेखों को काल
 अपने में लीन कर, इतिहासहीन कर दे।

(खण्ड - स)

2 × 20 = 40

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- 10) आधुनिक काव्य की पृष्ठ-भूमि की विवेचना कीजिए।
- 11) लंबी कविता की परंपरा और विकास पर एक लेख लिखिए।
- 12) पंत के जीवन और काव्य संसार का परिचय दीजिए।
- 13) "सरोज स्मृति" कविता के भावपक्ष को स्पष्ट कीजिए।